TEACHER'S HANDBOOK

प्रतिष्ठा
हिंदी पाठमाला–7

उत्तर पुस्तिका

CURIOUS MIND

प्रतिष्ठा हिन्दी पाठमाला-7

PART - 7

Ch-1(शक्ति और क्षमा)

1- क- प्रस्तुत कविता में "रघुपति" सिंधु से पथ मांगते है।
ख- तप,दया,क्षमा,मनोबल एवं त्याग जैसे मूल्यों से पुरषार्थ की पहचान होती है।
ग- रघुपति की शरण में त्राहि-त्राहि कर सिंधु आ गिरा।
घ- सहनशीलता, क्षमा, दया के द्वारा ही विजय शक्ति सम्भव है।

2- क- प्रस्तुत कविता के वक्ता "रामधारी सिंह दिनकर है जिन्होंने कविता की पृष्टभूमि से यह बताने का प्रयास किया है
कि शक्ति के बिना लक्ष्य कि प्राप्ति असंभव है।
ख- शमावान शत्रु यदि सामने हो तो शत्रु भी मित्र बन जाता है और विजय की निश्चित हो जाती है।
ग- क्षमा, दया, विनीत और नम्रता का सहारा लेकर युधिष्ठिर ने दुर्योधन को हराया।
घ- जिसके बल का दीपक जग में जगमगाता है शत्रु उससे भयभीत होकर नतमस्तक हो जाता है।

3- Do it yourself.

4- क-शक्ति ख-जब बल दर्प हो ग-रघुपति घ- स्वार्थी

5- क-सही ख-सही ग-सही घ- गलत

6- क-गरल ख-शर ग-सिंधु घ- सुयोधन

7- Do it yourself. 8- Do it yourself.

9- क-अरि, रिपु, दुश्मन ख-ज़हर, कालकूट, गरल ग- तीर, शर, ईशु
घ- रत्नाकर, सिंधु, सागर

10- क- पुल्लिंग ख- पुल्लिंग ग- पुल्लिंग घ- पुल्लिंग ड- पुल्लिंग
च- स्त्रीलिंग छ- स्त्रीलिंग झ- पुल्लिंग ज-पुल्लिंग , पुल्लिंग

11- क- उत् +लास ख- युद्ध+ निश्ठर ग- कदा+अपि घ- दंत+हीन

12- क- पु ख- अनु ग- सु घ- अ

13- क- दीप्ति ख- भुजंग ग- सक्षम घ- ग्रहण

14- Do it yourself. 15- Do it yourself. 16- Do it yourself. 17- Do it yourself.

Ch-2 (विक्रमादित्य का सिंहासन)

1- क- विक्रमदियत उचित न्याय करने की योग्यता रखते है।
ख- विक्रमदियत अपने दरबार में विलक्षण प्रतिभा के लोग रकते थे।
ग- प्राचीनकाल में उज्जैन नगरी को कला और संस्कृति की प्रसिद्धि हासिल थी।
घ- पत्थर के सिंहासन पर बैठकर चरवाहा विक्रमदियत की मुखमुद्रा का अनुसरण करता था।

2. क- विक्रमदियत के समुख लाया गया अपराधी इस बात से परिचित रहता था कि विक्रमदियत की आँखें उसके अपराध को पहचान ही लेंगी।
ख- विक्रमदियत के सिंहासन पर बैठकर चरवाह नयाय करता है ये बात सुनकर राजा उत्तेजित हो उठा।
ग- राजा के सिंहासनरुढ़ होने से पूर्व पहले देवदूत ने राजा से पूछा - "क्या तुम स्वयं को विक्रमदियत के न्याय सिंहासन पर बैठने के योग्य समझते हो? क्या तुमने ऐसे राज्यों पर शासन करने की इच्छा नहीं की जो तुम्हारे नहीं थे?"

घ- अंतिम देवदूत राजा से प्रश्न कर के यह व्यक्त करना चाहता था कि राजा का हृदय बच्चे के हृदय की भांति निश्छल और प्रलोभी नहीं है।

ड-सिंहासन के नगर आगमन पर राजा ने घोषणा की, कि नगर का प्रत्येक निवासी तीन दिन तक उपवास और प्रार्थना करेगा तत्पश्चात चौथे दिन वह सार्वजनिक रूप से सिंहासनरुढ़ होगा।

3. क-निर्दोष ख- खंडर ग- चट्टान घ- काले संमरमर ड- सिहासन
4. क-उज्जैन ख- न्यायधीश ग- विक्रमादित्य घ- वह न्यायपूर्ण नहीं था
5. क-सही ख-सही ग- गलत घ- सही
6. क-विक्रमदियत ख-न्यायधीश ग- लड़के की घ- सिहासन ड- बत्तीस
7- Do it yourself. 8- Do it yourself.
9. क-पुरोहित ख-संस्कृति ग- मुखमुद्रा घ-प्रतिभा
10. क-कसौटी, लौटी,सौती ख- नारियल, अड़ियल, जडियल
ग- उबाऊ,बचाऊ, सुनाऊ घ- प्रताप, चुपचाप, विलाप

11- Do it yourself. 12- Do it yourself. 13- Do it yourself. 14 - Do it yourself.

Ch-3(अतिथि देवो भवः)

1. क- महाराणा प्रताप के पास चम्पा और सुंदर नाम की दो संतान थी।

ख- भूख से व्याकुल होकर भाई ने बहन से कहा कि चलो, नदी का दो घूंट जल पीकर ही अपनी भूख शांत कर लेते है।

ग- फूलों की माला में मधुमक्खी छिपी थी जिसके काटने से गले में माला धारण करते ही भाई चीख पड़ा।

घ- सूखी रोटियां खाकर अतिथि को अमृत समान इसलिए महसूस हुआ क्यूंकि अतिथि को झोपडी में भी ईश्वरीयसमान आदर और भाव मिला था।

ड- भोजन के लिए द्वार पर आने वाला अतिथि सम्राट अकबर था।

2. क- बहन ने भाई को सरिता का जल ग्रहण करने से इसलिए मना किया क्यूंकि वह भूख से व्याकुल भाई को भरपेट रोटियां खिलाना चाहती थी।

ख- अतिथि को भोजन करवाने के लिए अतिथि ने इसलिए कहा क्यूंकि वह नहीं चाहती थी महाराणाप्रताप के घर आया अतिथि भूखा सो जाये और पिता के समान को ठेस पहुंचे।

ग- फूलों की माला में मधुमक्खी छिपी थी जिसके काटने से गले में धारण करते ही भाई चीख पड़ा

घ- चम्पा के जवाब में अतिथि इसलिए आश्चर्यचकित हो गया क्यूंकि चम्पा ने अतिथि को बताया कि अकबर के सामने अपना मस्तक न झुककर जो आत्मा को सुख और हृदय को संतोष मिलता है वह और कहीं नहीं।

ड- अतिथि के भावविभोर होने का कारण महाराणा प्रताप की संतानो का वह आत्मत्याग था जिसने पाषाण और वज्र हृदय को भी माँ सा कोमल बना दिया था।

3. क-गलत ख- सही ग- गलत घ- गलत ड-सही
4. क-सयाने ख- व्याकुल ग- रोटियां घ- ज्वाला,गौरव ड-अकबर
5. क-नदी किनारे ख- चम्पा ने ग- भगवान के घ- महाराणाप्रताप ड-गुणवती
6. क-अतिथि ख- राजपूत राजा ग- पत्नी घ- सुपुत्री ड-सुपुत्र
7. Do it yourself.
8. क- रमेश के बुरे कर्मों के चलते आज उसकी दुर्गति हो रही है।

ख- अतिथि ईश्वर का स्वरूप होता है इसलिए सदैव उसका मान और सम्मान करना चाहिए।

ग- भूख से व्याकुल व्यक्ति कभी-कभी अपना धैर्य भी खो देता है।

घ- हमें विपतियों में नहीं घबराना चाहिए।

ड- अपने देश के गौरव को बनाये रखना हम सभी का प्रथम कर्तव्य है।

9. क-आपत्तियों ख- रोटियां ग- झोपड़ियां घ-धर्म
10. क- हे ईश्वर कितना भय लग रहा है यहां तो बिजली भी नहीं है।
ख- वह! अथिति के स्वागत में हुई तयारियों को देखकर मन हर्ष से भर रहा है।
ग- शाबाश! तुमने गरीबों की सहयता कर के मेरा गौरव बड़ा दिया भगवान तुमपर अपना आशीर्वाद सदैव बनाये रखे।
घ- हमें विपतियों से नहीं बल्कि विपत्तियों में बुरे कर्मों को करने से घृणा करनी चाहिए।
ड- वह! तुम विदेश क्या गए उसने तो तुम्हे अफसर बनाने की स्वीकृति ही दे डाली।
11. Do it yourself. 12- Do it yourself. 13- Do it yourself.

Ch-4 (स्नेह-शपथ)

1. क- प्रस्तुत कविता में परिचित एवं अपरिचित व्यक्ति पर धूल उड़ने की बात कही गयी है।
ख- मित्र एवं शत्रु का अनादर होने पर हमे यह नहीं कहना चाहिए कि सच में वह ऐसा ही था।
ग- जब कोई धृष्ट व्यक्ति का पतन होने से रोकता है और उसके आंसू पोछता है तब वह धृष्ट व्यक्ति समर्पण कर देता है।
घ- कविता में कवि ने दीन-हीन और करुणाकर की शपत का हवाला दिया है।
2. क- प्रेम का प्रभाव धृष्ट के साथ-साथ प्रत्येक व्यक्ति पर पड़ता है।
ख- किसी व्यक्ति से गलती हो जाने पर हमें नम्रता और स्नेह का व्यवहार करना चाहिए.
ग- कवि ने प्यार की असीमित शक्ति के बारे में बताया है कि रिश्तें कितने भी गर्त क्यों न हो, ज़माना कितना भी भ्रष्ट क्यों न हो,परन्तु जब प्यार से किसी इंसान का पतन होने से रोक लिया जाता है तो उससे प्यारा कोई जतन नहीं।
घ- कविता में हर घर शपत बिखेरने के लिए इसलिए कहा गया है ताकि स्नेह द्वारा प्रत्येक व्यक्ति कि दृष्टा खत्म होती जाये।
ड- करुणाकर की शपत लेने को कवि इसलिए कह रहा है ताकि कोई अनुचित या झूठी शपत से किसी के ऊपर आफत न पसर जाये।
3. Do it yourself.
4. क-कठोर ख- ग्रह ग- प्रेम घ-दोस्त ड-दुश्मन
5. क-गिरे हुए को उठाने ख-प्रेमपूर्वक ग- भवानी प्रसाद मिश्र घ-दोनों ड-विपत्ति
6. Do it yourself.
7. क- हमें देश के गौरव और समान की रक्षा के लिए शपत लेनी चाहिए।
ख- आजकल सभी ईमानदारी को छोड़कर भ्रष्ट बनते जा रहे है।
ग- मेरी माँ करुणा की सागर और ममतामयी है।
घ- हमें कठिन परिस्थितों में घबराना नहीं चाहिए।
ड- प्रचित हो या अपरिचित व्यक्ति सभी का सम्मान करना चाहिए।
8. क- परि+नाम ख-दिक्+अम्बर ग- ने+अन्न घ-दुष+कर्म ड-पितृ+आज्ञा
9. क-ने,के ख-के लिए ग- ने घ-की ड-के
10. Do it yourself. 11- Do it yourself

Ch-5 (अमरनाथ की यात्रा)

1. क- कश्मीर यात्रा का निमंत्रण लेखक को फ़ोन पर मिला।
ख- ऑक्सीजन की कमी लेखक को साहस और उत्साह का स्मरण करवाती है।
ग- महागुनस की चोटी साढ़े चौदह हज़ार फ़ीट की ऊंचाई को प्रदर्शित करती है।
घ-जम्मू से पहलगाम की यात्रा के दौरान लेखक को मौसमी परिवर्तन का आभास हुआ।
ड- लेखक ने पहाड़ी यात्रा का नया नियम "धीरे चलों" सीखा।

2. क- जम्मू शहर की परिक्रमा करने का कारण ड्राइवर साहब की पत्नी थी ।
ख - छड़ी मुबारक में श्रीनगर के शंकराचार्य मंदिर में प्रस्थापित शिवलिंग की प्रतीक है जिनका श्रावणी पूर्णिमा को गुफा में जाकर मिलन होता है ।
ग- ऐसा माना जाता है कि एक बार भगवान सदाशिव माता पार्वती के साथ क्रीड़ा कर रहे थे तभी उनका श्रीमुख माता पार्वती के नेत्रों अंजन के कारण काला हो गया। जिसके चलते भगवान महादेव ने अपना श्रीमुख समीप बहती गंगा जी में धोया और गंगा जी का जल काला हो गया। तभी से गंगाजी अपने परिवर्तित रंग और नाम से नीलगंगा कहलाने लगी।
घ- रात्रि विश्राम के पश्चात लेखक ने ऐलान सुना कि "यात्री मेहरबान से दरख्वास्त है कि जल्दी से जल्दी आगे चलने की तैयारी करे,आगे चढ़ाई बड़ी कठिन है।"
3. क-सिहरन ख-साढ़े नौ हज़ार फ़ीट ग- मित्रों ने घ-पहलगाम
4. क-पहाड़िया ख-खड़ा ग- बैकुंठ घ-इसी ड-पापों
5. क- की बचपन में कब घोड़े पर सवार हुआ था।
ख- सामान लेकर बस अड्डे पर जा लगे। ग- बुक करवा लिए थे।
घ-तो मारे गर्मी के दम निकल जाये। ड- सारी तैयारी पक्की थी।
6. क-गलत ख-सही ग- सही घ- सही ड-सही
7. Do it yourself.
8. क- अरि (शत्रु)- अपने अरि को कभी भी कमजोर नहीं समझना चाहिए।
अरी (सम्बोधन स्त्रियों के लिए) - अरी तुम कब आयी?
ख- पुर (नगर) - पहलगाम एक सुन्दर नगर है।
पूर (बाढ़) - कोसी नदी की पूर बिहार प्रदेश का शोक है।
ग- बात (बातचीत) आज दोनों मित्रों के बीच कुछ बातचीत हुई है शायद! तभी सभी लोग शांतचित अवस्था में बैठे हैं।
वात (पवन) -वाह! कितनी ठंडी वात बह रही है।
घ- पथ (रास्ता) - हमें पैदल चलने वाले पथिकों को पथ देना चाहिए।
पथ्य (रोगी का आहार)दलिया और खिचड़ी रोगी के लिए संतुलित एवं पौष्टिक पथ्य है।
ड- पाश (शास्त्र) - धर्मराज के पास पाश शस्त्र है।
पास (नज़दीक) - वह दोनों बस स्टैंड के पास खड़े है।
9. क- कैलाश की यात्रा में बहुत मजा आया।
ख- पटनीटॉप पर बर्फ़बारी को देखकर मन आनंदित हो उठा ।
ग- कल हम सभी को यात्रा के लिए निकलना है ।
घ- हमें सर्दियों के लिए कुछ उन्नी कपडे भी खरीद लेने चाहिए
10. Do it yourself. 11- Do it yourself. 12- Do it yourself. 13- Do it yourself.
14. Do it yourself.

Ch-6 (सरोजिनी नायडू)

1. क- सत्याग्रह आंदोलन काल के दौरान सरोजनी नायडू को कई बार जेल जाना पड़ा।
ख- निजाम कॉलेज के प्राचार्य के रूप में सरोजनी नायडू के पिता अघोरनाथ चट्टोपाध्य ने कार्य किया था।
ग- नमक सत्याग्रह आंदोलन में सरोजनी नायडू ने सक्रीयता दिखाई।
घ- हैदराबाद के निज़ाम कॉलेज के संस्थापक सरोजनी नायडू के पिता अघोरनाथ चट्टोपाध्य थे।
ड- सरोजनी ने कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका निभाई।
2. क- सरोजनी को पुस्तकों से बड़ा प्रेम था जिस कारण से उन्होंने तेरहवर्ष की उम्र में ही हाई स्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली थी।
ख- बचपन से ही सरोजनी नायडू कविता लिखने, पढ़ने और गाने में रूचि रखती थी ।
ग- सरोजनी नायडू की योग्यता और देश सेवा से प्रभावित होकर कांग्रेस पार्टी ने उन्हें महिला के रूप में अपना अध्यक्ष चुना ।
घ- स्वतंत्रता के पश्चात सरोजनी को उत्तरप्रदेश की पहली महिला राज्यपाल के रूप से सम्मानित किया गया।
3. क-सरोजनी ख- अघोरनाथ चट्टोपाध्याय ग- इंग्लैंड घ- सरोजनी ड-कोकिला

4. क-कविता ख- नारियों ग- सत्याग्रह घ- कांग्रेस
5. क-डॉक्टर ख- सुशिक्षित महिला ग- 1932 घ- सरोजनी नायडू
ड- सरोजनी नायडू
6. Do it yourself.
7. क- सरोजनी नायडू ने देश सेवा में अपना सर्वोच्च योगदान दिया।
ख- देश की आज़ादी के लिए कई क्रांतिकारियों ने स्वतंत्रता आंदोलन ने भाग लिया।
ग- सरोजनी नायडू एक महान कवियत्री थी।
घ- हमारे सुविचार और सत्कार्य ही हमारी पहचान बनकर हमें समाज में प्रशंसा का पात्र बनाते है।
ड- सरोजनी नायडू को भारत की स्वर कोकिला कहा जाता है।
8. क-कुशलता ख- आवश्यकता ग- कविता घ- स्वतंत्रता
9.

	(लिंग)	(वचन)
देश	पुल्लिंग	देशों
संस्कृति	स्त्रीलिंग	संस्कृतियाँ
मौका	पुल्लिंग	मौके
विचार	पुल्लिंग	विचारों

10. सत्याग्रह - स्+अ+ त्+ अ + य्+ आ + ग्+अ+र+ह्+अ
छात्रवृत्ति - छ् + आ + त्+ अ + व्+ ऋ + त्+ इ
आंदोलन - आ + न्+द्+ओ + ल्+ अ + न्+अ
प्राचार्य - प्+ आ + र + च + आ + र्+ य्+ अ
सुशिक्षित - स्+ उ + श्+ इ + क्ष्+ई + त्+ अ
11. Do it yourself. 12- Do it yourself. 13- Do it yourself. 14- Do it yourself.

Ch-7 (क्या निराश हुआ जाए?)

1. क- लेखक का मन समाचार की खबरों को सुनकर बैठ जाता है।
ख- आजकल हर व्यक्ति को संदेह की दृष्टि से देखा जाने लगा है।
ग- जब सारे गुणों को भूलकर दोषों को उजागर किया जाये तो निःसंदेह चिंता का विषय दिखने लगता है।
घ- ईमानदार को मूर्खता का प्राय समझा जाने लगा है।
2. क- झूट और फरेब का रोज़गार फैलने -फूलने और सचाई केवल जब बेबस और भीरु लोगो के हिस्से आती है तो ऐसी स्तिथि में जीवन मूल्यों के प्रति लोगो की आस्था हिलने लगती है ।
ख- लेखक हताशन होने का सुझाव इसलिए दे रहा है क्यूंकि स्तितियाँ भले कितनी भी खराब क्यों न हो गयी हो फिर भी आज लोगो के भेटेर दया,ममता कहीं न कहीं है। मनुष्यता पूरी तरह समापत नहीं हुई है।
ग- ऊँचें पद पर बैठे लोग आजकल कानून की त्रुटियों से लाभ उठाने के अवसर ढूंढते है।
घ- भारतवर्ष सदैव कानून को धर्म के रूप में देखता आ रहा है। आज एकाएक कानून और धर्म में अंतर देखा जा सकता है क्यूंकि धर्म को धोखा नहीं दिया जा सकता परन्तु कानून को आसानी से दिया जा सकता है। यही वज़ह है कि धर्मभीरु लोग कानून का लाभ उठाने में संकोच नहीं करते।
3. क-भ्रष्टाचार ख- दोष, गुण ग- नियम-कानून घ- सचाई
5. क-प्रत्यारोप ख- कानून ग- बुद्धि घ- विचार

6. Do it yourself. 7- Do it yourself. 8- Do it yourself. 9- Do it yourself.
10. क- अनुकरणीय ख- निर्दोष ग- निष्पक्ष घ- नश्वर
11. सत्याग्रह - स्+अ+ त् + अ + य् + आ + ग्+अ+र+ह्+अ
छात्रवृत्ति - छ् + आ + न् + अ + व् + ऋ + त् + इ
आंदोलन - आ + न्+द्+ओ + ल् + अ + न्+अ
प्राचार्य - प् + आ + र + च + आ + र् + य् + अ
सुशिक्षित - स् + उ + श् + इ + क्ष्+ई + त् + अ
12. क- सदैव ख- परोपकार ग- नेकी घ- अतिआवश्यक
13. क- करोना से बचने के लिए मास्क पहनना सभी के लिए अनिवार्य होना चाहिए।
ख- अपनों से बड़ों द्वारा मिले गए आदेश को आज्ञा मानकर पालन में लाना चाहिए।
ग- कपडा, रोटी और मकान सभी के लिए आवश्यक ज़रूरतें है।
घ- अभिमान होना अच्छी बात होती है परन्तु घमंड होना नहीं।
14. क- यह कितना भ्रष्टाचार है! ख- शाम तक वापिस नहीं दे जाना।
ग- शायद आज नेता आये?।
15. Do it yourself. 16- Do it yourself. 17- Do it yourself.

Ch-8 (सूरदास वेफ पद)

1. क- बालक श्रीकृष्ण माखन-रोटी के कारण दूध पीने को तैयार हो गए है।
ख- सूरदास जी श्रीकृष्ण के बंदन चरणों की वंदना कर रहे है।
ग- बालकृष्ण माँ यशोदा से अन्य ग्वालों की शिकायत कर रहे है।
घ- माता यशोदा पलने में बाल कृष्ण को झूला रही है।
2. क- दूध की तुलना में श्री कृष्ण को माखन रोटी अधिक पसंद है।
ख- सूरदास जी श्रीकृष्ण को करुणामय इसलिए कहा है क्यूंकि उनकी कृपा से गूंगा बोलने, बहरा सुनने हुए अँधा देखने का पात्र बन जाता है।
ग- बालकृष्ण द्वारा माँ यशोदा द्वारा बालकृष्ण पर मिथ्या रोप-प्रतिरूप लगाने पर उनसे कहते है कि यदि मैंने ही माखन खाया है तो तुम मुझे अपराधी मान कर बाँध दो अपने कान्हा के ऐसे भाव-वचन सुनकर माँ यशोदा उन्हें गले से लगा लेती है।
घ-श्रीयशोदा जी श्याम को पलने में झुला रही हैं। कभी झुलाती हैं, कभी प्यार करके पुचकारती हैं और चाहे जो कुछ गाती जा रही हैं। (वे गाते हुए कहती हैं-) निद्रा! तू मेरे लाल के पास आ! तू क्यों आकर इसे सुलाती नहीं है। तू झटपट क्यों नहीं आती? तुझे कन्हाई बुला रहा है।' श्यामसुन्दर कभी पलकें बंद कर लेते हैं, कभी अधर फड़काने लगते हैं। उन्हें सोते समझकर माता चुप हो रहती हैं और (दूसरी गोपियों को भी) संकेत करके समझाती हैं (कि यह सो रहा है, तुम सब भी चुप रहो)। इसी बीच में श्याम आकुल होकर जग जाते हैं, श्रीयशोदा जी फिर मधुर स्वर से गाने लगती हैं। सूरदास जी कहते हैं कि जो सुख देवताओं तथा मुनियों के लिये भी दुर्लभ है, वही (श्याम को बालरूप में पाकर लालन पालन तथा प्यार करने का) सुख श्रीनन्दपत्नी प्राप्त कर रही हैं।
3. क- माखन रोटी ख- श्रीकृष्ण ग-हलधर घ- छींका पर
4. भक्त शिरोमणि सूरदास जी श्रीकृष्ण के चरण कमलों की महिमा का वर्णन करते हुए कहते हैं कि हे प्रभु मैं आपके चरणों की, जो कमल के समान कोमल है, वन्दना करता हूँ इनकी महिमा अपरम्पार है, जिनकी कृपा से लंगड़ा व्यक्ति पर्वतों को लांघ जाता है, अन्धे व्यक्ति को सब कुछ दिखाई देने लगता है, बहरे को सुनाई देने लगता है, गूँगा बोलने लगता है और गरीब व्यक्ति राजा बनकर अपने सिर पर छत्र धारण कर लेता है। सूरदास जी कहते हैं कि हे कृपालु और दयालु प्रभु ! मैं आपके चरणों की बार – बार वन्दना करता हूँ। आपकी कृपा से असम्भव – से – असम्भव कार्य भी सम्भव हो जाते हैं। अतः ऐसे दयालु श्रीकृष्ण के चरणों की मैं बार – बार वन्दना करता हूँ।

5. क- ब्रज भाषा ख- भली ग-त्याग घ- कृष्ण भक्ति
6. Do it yourself. 7- Do it yourself. 8- Do it yourself.
9. क- घर ख- व्यवहार ग-चार घ- घड़ा
10. क- जल, हठी, पेड़, शेर ख- रसोईघर, चारपाई, पाठशाला, विद्यालय
ग-दशानन, शरणार्थी, पंकज, महावीर
11. क- बहुव्रीहि समास ख- तत्पुरुष समास ग- कर्मधारय समास
12. क-अतिश्योक्ति अलंकार ख- रूपक अलंकार ग- रूपक अलंकार
13. Do it yourself. 14- Do it yourself. 15- Do it yourself. 16- Do it yourself.

Ch-9(काकी)

1. क- शामू कि नींद बड़े सवेरे पहर खुली। ख- भोला सुखिया दासी का लड़का था।
ग- शामू ने कोट कि जेब से चवन्नी निकली। घ-शामू ने अपनी पतंग पर काकी लिखा।
2. क- शामू आसमान की ओर शून्य को ताकता रहता था।
ख- शामू की गंभीरता का कारण काकी थी।
ग- शामू के उपद्रव मचाने का कारण काकी का अंतिम-संस्कार था क्यूंकि शामू ये सोचता था कि काकी मरी नहीं सोई हुई है।
घ-शामू ने भोला के साथ मिलकर पतंग खरीदने कि योजना बनाई।
3. क-दुखीमन ख- भोला ग- गुरुजन घ- शामू, उपद्रव
4. क-सवेरे ख- भोला ने ग- विश्वेश्वर का
5. क-गलत ख- सही ग- सही घ- सही
6. Do it yourself. 7- Do it yourself.
8. क-पतंगें ख- चिंताएं ग- गुरु घ- खुटियाँ ड- रस्सियां च- लोगों
9. क-धोखा ख-उल्लास ग- अप्रफुल घ- पाताल ड- शांत च- शांत
10. क- आसमान,अम्बर, गगन ख-उदासीन, उचाट, विषादपूर्ण ग- सखा, संगी, दोस्त
घ-सहायता,सहयोग,हेल्प
11. क- काकी ख-दासी ग- बहन घ-माता
12. क-दासता ख-मित्रता ग- मातृत्व घ- मनुष्यत्व
13. क-भाव-वाचक संज्ञा ख-भाव-वाचक संज्ञा ग- क्रिया घ- सर्वनाम
14. Do it yourself. 15- Do it yourself. 16- Do it yourself. 17- Do it yourself.

Ch-10 (इब्राहिम गार्दी)

1. क- इम्ब्राहीम गार्दी मराठों का सेनापति था।
ख- मराठों और मुगलों के बीच तीसरा विश्व-युद्ध पानीपत के मैदान में लड़ा गया था।
ग- इब्राहिम गार्दी को मृत्युदंड की सजा मिली।
घ-शुजाउद्दौला ने अहमदशाह अब्दाली के पक्ष में तीसरा विश्वयुद्ध लड़ा।
2. क- जो अपने मुल्क के साथ गद्दारी न करे, जो अपने मुल्क को बर्बाद करने वालो का साथ न दे वही सच्चा मुस्लमान है।
ख-अहमद शाह अब्दाली को इब्राहिम से नफरत इसलिए थी क्यूंकि वह एक मुस्लमान होकर भी हिन्दू मराठों के पक्ष में लड़ रहा था।
ग- इब्राहिम गार्दी ने अहमद शाह अब्दाली के आगे तोबा करने से इसलिए मना कर दिया क्यूंकि अब्दाली न तो सच्चा मुसलमान था और न ही एक क्षमावान, दयावान शासक। वह केवल एक अफगान लुटेरा और बुतपरस्त इंसान था
घ-अंत समय इब्राहिम गार्दी के मुँह से "अल्लाह " शब्द निकला।
3. क- अल्लाह ख- 1761 ग- अफगान लुटेरा शासक
4. क- इब्राहिम गार्दी ने अहमद शाह अब्दाली से कहा।
ख-इब्राहिम गार्दी ने अहमद शाह अब्दाली से a
ग-अहमद शाह अब्दाली ने इब्राहिम गार्दी से कहा।

5. क-देश ख- अवध का नवाब ग- मराठों का सरदार घ- अफगान लुटेरा शासक
6. क-फिरंगी ख- मराठों ग- विश्वासराव घ- बुतपरस्त
7. Do it yourself.
8. क-शांत ख- आदेश ग- आराम घ- मालिक ड- अनिच्छा च- प्रेम
9. क-श्वास, ज़िंदगी, जीवन ख- संग्राम, रण, लड़ाई ग-हत्या, कतल, प्रतिघात
   घ- जल, नीर, वारि
10. क- लेट ख- टूट ग-छूट
11. क- फ्रांसिसी ख- अंतिम ग-धार्मिक
12. क- ने (कर्ता करक) को (कर्म को) ख- ने (कर्ता करक) को (कर्म को)
    ग- के (सम्बन्ध कारक)
13. Do it yourself. 14- Do it yourself. 15- Do it yourself.

Ch-11 (सम्मान)

1. क- तान्या गरीब परिवार में पैदा हुई थी। ख-तान्या के पिता जी किसान थे।
   ग-तान्या सकरात्मक विचरों वाली लड़की थी।
   घ-आमंत्रण पत्र के साथ तान्या के घर प्रदेश के डी.एम साहब आये।
   ड- तान्या को पुरुस्कार के साथ डी.एम. साहब ने सम्मानित किया।
2. क- तान्या की प्रेरणाओं को उसकी माँ बल देती थी।
   ख-तान्या अपने व्यक्तिगत गुणों के कारण होनहार छात्रासमझी जाती थी।
   ग-तान्या की माँ यह इच्छा रखती थी कि तान्या पढ़-लिखकर अपने पिताजी का नाम ऊँचा करे।
   घ- तान्या को आमंत्रण पत्र प्रदेश के डी.एम साहब ने दिया क्यूंकि तान्या ने कला,संगीत,एवं पढ़ाई में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर न सिर्फ अपने परिवार का बल्कि पूरे प्रदेश का गौरव भी बढ़ाया था।
   ड- राजयपाल ने तान्या के सम्मान में कहा कि "मैं तान्या जैसी मेहनती व होनहार छात्रा को देखकर गर्व महसूस कर रहा हूँ।"
3. क- अभिशाप ख- अभिनय ग- नाक घ- सम्मान ड- होनहार
4. क- हैरान ख- उत्साह ग- शिक्षा घ- श्राप
5. क- गांव में ख- विचारों से धनी ग- राजयपाल घ- प्रेरणा
6. Do it yourself.
7. क- सत+मान =व्यंजन संधि ख- विद्या+आलय= दीर्घ संधि
   ग- प्र+नाम= व्यंजन संधि घ- वात+आवरण =दीर्घ संधि ड- सर्व+उच्च =वृद्धि संधि
8. क- भूतकाल ख- वर्तमानकाल ग- भविष्यकाल घ- भूतकाल
   ड- वर्तमानकाल
9. क- दुर्गम, दुर्लभ ख- सुबोध, सुविचार ग- अनपढ़, अनमोल घ- स्वदेश, स्वधर्म
   ड- सिलाकर
10. क-किसी ख- उसे ग- वह, आप घ- किसे
11. Do it yourself. 12- Do it yourself.
13. अनंत,अमूल्य,पाश,लापता,साप्ताहिक,शाकाहारी,शकर,मूल्य,शस्त्र,व्यास,छल,रात,इतिहास कार,व्यापत,अदम्य,कृतज्ञ,पौराणिक,सर्वव्याप्त,सार
14. Do it yourself. 15 - Do it yourself.

Ch-12 (दीवानों की हस्ती)

1. क- निरंकुशता या आज़ादी से जीवन जीने का स्वछंदता कहा गया है।
   ख-अभावों में खुश रहने वालो को दीवाने कहते है।
   ग-सुख-दुःख के घूंटों को कवि एक भाव से छककर पी रहा है।
   घ- कवि के द्वारा कविता को बंधन युक्त प्रदर्शित किया गया है।
3. Do it yourself.
4. क- भगवती शरण शर्मा ख- दीवाना ग-असफलता घ- धूल
   ड- सुख-दुःख के घूंट

5. क- हस्ती ख- आलम ग-सुख-दुःख के घूंट घ- भार ङ- तोड़ चले
6. Do it yourself.
7. पुलिस, वकील, मशीन, रेडियो, तौलिया
8. क-आप पर बीती ख- मृग के समान नयन है जिसके अर्थात विश्व सुंदरी
ग- यथा (कैसे भी) अनुसार संभव घ- तीन वेन है जिसके ङ- पांच आबो का स्थान
9. क-घोडा, अश्व, हय ख- शैल , पत्थर, पाषाण ग- बदल, मेघ, जलधर
घ- पक्षी, विहग, पंछी
10. व्याख्या – इसमें कवि कहते हैं कि उनका स्वभाव मस्त-मौला है, वह एक स्थान पर टिके नहीं रहते। वे जहाँ भी जाते हैं, चारों तरफ खुशियाँ फैल जाती है। कवि जहाँ धूल उड़ाते हुए जाते है वही चारों तरफ प्रसन्नता का माहौल हो जाता है। कवि रमता जोगी है। वह मन में उत्पन्न भावों की भाँति कभी ख़ुशी का सन्देश तो कभी आँखों में बहते आँसू की तरह सब जगह फ़ैल जाता है। कवि कहते हैं कि वे इतनी जल्दी आते जाते रहते हैं की लोगों को पता ही नहीं चलता कि वे कब आए और कब चले गए।
11. Do it yourself. 12- Do it yourself. 13- Do it yourself.

Ch-13 (एनी बेसेंट)

1. क- एनीबेसेंट का जन्म अक्टूबर 1847 को लन्दन में हुआ था।
ख-एनीबेसेंट चाहती थी कि हम सब बच्चे भारतवासी बनकर जिएँ और भारतवासी बनकर ही मरे।
ग- एनीबेसेंट द्वारा लिखित पुस्तक का नाम "इंग्लैंड,इण्डिया और अफगानिस्तान" था।
घ- एनीबेसेंट 1874 में "नेशनल सेक्युलर सोसाइटी" नामक संस्था के साथ जुडी।
2. क- एनीबेसेंट भारत को ऐसी पवित्र भूमि मानती थी, जिसका महान धर्म सब धर्मो का मूल था। उनकी दृष्टि में भारतभूमि सब संस्कृतियों का केंद्र थी।
ख-भारत के धर्म के विषय में एनीबेसेंट कहती थी कि "धर्म तो परमात्मा तक पहुंचने का माध्यम है। जैसे नदियाँ समुन्दर में जा मिलती है उसी प्रकार धर्म भी परमात्मा प्राप्ति का मार्ग है।"
ग- एनीबेसेंट अपनी शिक्षा में पूर्व था पश्चिम के आदर्शों को मिलाना चाहती थी, जिसके लिए उन्होंने शिक्षा केंद्र की स्थापना कर 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी में अध्यक्ष बनकर स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ गयी।
घ- एनीबेसेंट का वैवाहिक जीवन संतोषजनक नहीं था।
3. क- सही ख- गलत ग-सही घ- गलत
4. क- थियोसोफिकल ख- शिक्षा ग-कांग्रेस घ- साम्राजयवादी
5. क-1857 ख- आयरिश ग- भगवानदास घ- कामनवेल्थ
6. क-ii ख- i ग- iv घ- iii
7. क- "हम भारतवासी बनकर ही जिएँ और भारतवासी बनकर ही मरे" एनीबेसेंट के इस सपने को पूरा करना ही उनके प्रति यह हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।
ख- मेरे बचपन की स्मृतियाँ मुझे सुखद अनुभव प्रदान करती हैं।
ग- स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में कई क्रांतिकारियों ने विभिन्न सम्मेलनों में भाग लिया।
घ- भारत के प्रत्येक जन को शिक्षित कर के ही भारत को सुदृढ़ और समृद्ध बनाया जा सकता है।
ङ- स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए भारत में आंदोलनों की झड़ी सी लग गयी थी।

8. Do it yourself. 9- Do it yourself. 10- Do it yourself.
11. क- अभाव, अमर, अबाध, अभय ख- प्रचुर, प्रहार, प्रयास, प्रभाव
ग- नियोजन, निकाय, नियंत्रण, निकम्मा घ- अनुराग, अनुपम, अनुवाद, अनुकूल
12. क- फ़कीरी ख- बुढ़ापा, खटास ग- समृति, भक्ति, भतृत्व घ- दुष्टता
13. क- दिगु समास ख- तत्पुरुष समास ग- तत्पुरुष समास घ- द्वन्द समास
14. क- ज्ञानी, शिक्षा,ज्ञानेश्वरी ख- स्वाधीनता, आज़ादी, स्वधीनता
ग- शिष्टता, शिष्टाचार, शीलवत्ता घ- बालपन, बाल्यावस्था, लड़कपन
15- Do it yourself. 16- Do it yourself. 17- Do it yourself.
18- Do it yourself. 19. Do it yourself.

Ch-14 (भगत सिंह वेफ पत्रा)

1. क- भगत सिंह ने पत्र अपने पिता के नाम लिखा था।
ख- भगत सिंह ने पत्र दिल्ली जेल से लिखा।
ग- "आपका ताबेदार" भगत सिंह ने स्वयं को कहा।
घ- भगत सिंह के साथ जेल में निहायती अच्छा सलूक किया जा रहा था।
2. क- भगत सिंह ने पिता से गीता रहस्य, नेपोलियन की मोटी स्वानह और अंग्रेजी के कुछ नॉवेल लाने का अनुरोध किया।
ख- भगत सिंह ने दिल्ली जेल से पत्र लिखा।
ग- भगत सिंह ने अपने पत्र को कांग्रेस दफ़्तर के पते पर लिखा।
घ- भगत सिंह खिदमते-वतन पर वक्फ़ होने वाले वक़्त की प्रतीक्षा कर रहे थे।
3. क- भगत सिंह ने अपने पिता से कहा। ख- भगत सिंह ने अपने पिता से कहा।
ग- भगत सिंह ने अपने पिता से कहा।
4. क- सही ख- गलत ग- सही घ- सही
5. क- 6 जून 1674 5- Do it yourself. 6- Do it yourself.
7. क- कोशिशें ख- उसूलों ग- ज़रूरतें घ- हालत ड- तकलीफें
च- वकीलों
8. क- बुरा ख- आम ग- बेफ़िक्र घ- मृत्यु ड- नाउम्मीद
9. क- सदैव ज़िंदगी ज़िंदादिली से जीनी चाहिए ।
ख- कल सोहन ने रोहन की प्रतीक्षा में सारा वक़्त निकल दिया परन्तु रोहन नहीं आया।
ग- हमे गलती होने पर दूसरों को माफ़ कर देना चाहिए क्यूंकि क्षमावान होना व्यक्तित्व का सर्वोच्च गुण है।
घ- मूर्ख लोगों से बुद्धिमानी का कार्य करने की उमींद रखना मूर्खता है।
10. क- पं० नेहरू, डॉ. आबेडकर और प्रो. सी.वी.रमन भारत के महापुरुष हैं।
ख- मेरा बचपन, क्या यह कल की बात हैं?
ग- गांधीजी ने "यंग इंडिया" दो बार प्रकाशित करने का निश्चय किया।
घ- "मनुष्यत्व" को पशु बनाना छोड़ो और आदमी बनो।
11. क- सत्याग्रह ख- मातृऋण ग- प्रवेश घ- परमेश्वर
12. क- गाँधी जी ने मेरे जनेऊ संस्कार के समय एलान किया था कि मेरा जन्म मातृभूमि की सेवा के लिए हुआ है।
ख- मेरा जीवन आराम और आकर्षक आधारित नहीं है ?
ग- सम्भावना है कि एक महीने में ही मेरी फांसी और जनाक्रोश हो जायेगा।
13. Do it yourself. 14- Do it yourself. 15- Do it yourself.

Ch-15 (आदर्श माता जीजाबाइ)

1. क- जीजाबाई छत्रपति शिवाजी की माता थी।
ख- मालोजी भोंसले जाधवराव जी की सेना में सैनिक थे।
ग- अधिष्टात्री देवी शिबाई देवी का मंदिर शिवनेर के दुर्ग के पास स्तिथ था।
घ- तानाजी की मृत्युोपरांत जीजाबाई के मुख से कोई वचन नहीं निकला।
ड- माता जीजाबाई का व्यक्तित्व साहसी, धर्मनिष्ट, कर्तव्यपरायण, निडर एवं स्वतन्त्र विचारों वाली महिला का था।
2. क- जीजाबाई छत्रपति शिवाजी का लालन-पालन प्रेमपूर्वक, शौर्यता और वीरता की कहानियाँ सुनाते हुए उनके हृदय में साहस, वीरता, महत्वकांशाओं की भावनाओं को भरकर किया करती थी।
ख- सिंहगढ़ के दुर्ग पर शिवाजी ने अपने मित्र तानाजी की मदद से विजय प्राप्त की।
ग- माता जीजाबाई शिबाई देवी से यह कामना करती की उन्हें ऐसे पुत्र की प्राप्ति हो जो मराठा राज्य की स्थापना करने में सफल हो।

घ- जीजाबाई को आदर्श माता इसलिए कहा गया है क्यूंकि उन्होंने शिवाजी को न सिर्फ समानता से जीना सिखाया अपितु उनके व्यक्तिगत निर्माण के साथ-साथ समाजिक एवं राष्ट्र कल्याण की सेवा की भावना भी जागृत करी।

3. क- 6 जून 1674 ख- 10 अप्रैल 1627 ग- निजामशाह घ- मुख्यमंत्री
ड- बीजापुर
4. क- माँ ख- शिबाई देवी ग- पूना घ- तानाजी ड-बारह
5. क- साधारण सैनिक ख- उदयभानु ग- आदर्श माता घ- शिवाजी के पिता
ड- शिवाजी के मित्र
6. Do it yourself.
7. विशेषण- विशाल, श्रेष्ठ, सुगन्धित,कड़वा,ज्यादा
विशेष्य- साधारण, सभी,सैनिक,बहुत
8. पत्ता,मम्मा,पक्का, दहा
9. क-बाहिर+गमन ख- अंतर+राष्ट्रीय ग-दुष+करम घ- आविस+कार
ड- पुनः + निर्माण
10. क-विश्वसनीय ख- आशाविहीन ग-प्रशंसनीय घ- सत्यवादी ड- अजय
11- Do it yourself. 12- Do it yourself. 13- Do it yourself. 14- Do it yourself.

Ch-16 (तात्या टोप)

1. क- तात्या टोपे को गीता के इस वचन में विश्वास था कि लड़ते हुए मरेंगे तो स्वर्ग प्राप्त होगा और यदि जीत जायेंगे तो स्वतंत्र भारत के दर्शन होंगे।
ख- शत्रु कि सेना के पास चार तोपे थी।
ग- लाखों देशवासी भारत को स्वतंत्र देखना चाहते थे।
घ- अंग्रेजी सेना का व्यक्ति निहथा आगे बढ़ रहा था।
2. क- तात्या टोपे देशवासियों का सहयोग इसलिए चाहते थे क्यूंकि मात्र दो-चारसो सैनिकों के साथ वह इतने बड़ी अंग्रज़ी सेना और उसके शासन काल को ख़त्म करना असंभव था। दूसरा कारण भारतवासियों में एकता की कमी होने की वजह से सफलता की आशा बहुत कम थी।
ख- तात्या तोपे के गले में फंदा उन्होंने स्वयं ही डाला क्यूंकि वह भारतीय जनता को यह सन्देश देना चाहते थे कि वह तो मर जायेंगे पर देर-सवेर न्याय होकर ही रहेगा! और तब कहीं जाकर भारतीय जागेंगे।
ग- राव साहब पेशवा युद्ध को टालने के पक्ष में इसलिए नहीं थे क्यूंकि अंग्रेज़ों के सन्मुख उनकी सैन्य शक्ति बहुत ही कम थी। इसलिए वह चाहते थे कि राजाओ और जनता के साथ संपर्क साध कर अपनी और अपनी सैन्य शक्ति को बड़ा के मातृभूमि की रक्षा की जाये।
घ- तात्या तोपे ने लड़ते हुए स्वतंत्र भारत की मांग की थी।
3. क- सरदार ने तात्या तोपे से कहा ख- तात्या तोपे ने अपने साथियों से कहा।
ग- राव साहब पेशवा ने तात्या तोपे से कहा। घ- दूत ने तात्या तोपे से कहा।
4. क-भारत ख- संपर्क ग-साम्राज्य घ- बीड़िया
5. क-स्वयं तात्या तोपे ने ख- नाल ग-अंग्रेज़ों के पास
6. Do it yourself. 7- Do it yourself. 8- Do it yourself.
9. क- रानी लक्ष्मीबाई अंग्रेज़ों से युद्ध के मैदान में लोहा लेते हुए वीरगति को प्राप्त हो गयी थी।
ख- छत्रपति शिवाजी ने अनेको बार युद्ध में मुगलों को लोहे के चने चबवा दिए थे।
ग- भारत ने क्रिकेट खेल के दौरान विपक्षियें टीम के दांत खट्टे कर दिए।
घ- आवसयिये इलाके में शेर को सड़क पर घूमता देखकर सभी के प्राण मुँह को आ गए।
10. क- लोग कहने लगे, भई वह! तुम तो उस्ताद हो। ख- अरे! तुमने तो कमाल ही कर दिया।
ग- वही तो नहीं,जो यहाँ खड़ा था? घ- तुम यह से जा तो नहीं रहे ?
11. क-गलत ख- गलत ग-सही घ- सही
12. क-शोक में गमन (तत्पुरुष समास) ख- सत्य के लिए आग्रह (तत्पुरुष समास)
ग-राजा और रंक (द्वन्दसमास) घ- तीन रंग का समाहार (दिगुसमास)
ड- जीवनभर (अवीयभाव समास)
13. Do it yourself. 14- Do it yourself. 15- Do it yourself. 16 - Do it yourself.